

रिलायंस ब्राडबैंड

आडियो कांफ्रेंस सर्विस

ट्रांस्क्रिप्शन रिपोर्ट (विवरण)

रिलायंस ब्राडबैंड

सम्मेलन	89127416
कंपनी	पावर फाइनेंस कारपोरेशन
दिनांक	22 जुलाई 2010

संचालक

एचडीएफसी सेक्युरिटीज द्वारा पावर फाइनेंस कारपोरेशन के लिए आयोजित वित्त वर्ष 2011 की पहली तिमाही अर्जन सम्मेलन आयोजित करने के लिए आपको धन्यवाद तथा इस अवसर पर आपका स्वागत है।

इस समय, सभी सहभागी केवल बात (चर्चा-परिचर्चा) करने और सुनने की स्थिति में हैं। अब एक प्रेजेंटेशन दिया जाएगा तत्पश्चात प्रश्नोत्तर दौर चलेगा। उस समय यदि आप कोई प्रश्न पूछना चाहेंगे, कृपया अपने टेलीफोन पर *1 दबाएं। कृपया आश्वस्त हों, यह सम्मेलन इस समय रिकार्ड हो रहा है।

मैं सम्मेलन की आगे की कार्रवाई श्री राहुल जैन को सौंपना चाहूंगा। श्रीमान जी आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री राहुल जैन:

धन्यवाद ममता।

नमस्कार। आज कंपनी की पहली तिमाही के परिणामों पर चर्चा करने के लिए पावर फाइनेंस कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सतनाम सिंह हमारे साथ हैं। मैं प्रथम (प्रारंभिक) टिप्पणियों के लिए सभा स्थल को श्री सिंह को सौंपना चाहूंगा एवं फिर हम प्रश्नोत्तर सत्र शुरू करेंगे। श्रीमान आगे की कार्रवाई शुरू करें।

श्री सतनाम सिंह:

धन्यवाद राहुल। जो भी मेरी आवाज को सुन रहे हैं सभी को नमस्कार।

अब पहली तिमाही के परिणामों से मुझे प्रारंभ करने दें। वित्त वर्ष के प्रारंभ में ऋण परिसंपत्तियां 79,000 करोड़ रूपए विपरीत तिमाही की समाप्ति पर हमने इसमें 85,597 करोड़ रूपए की वृद्धि प्राप्त की। इसलिए, यदि हम वर्ष 2010 के प्रथम तिमाही की परिसंपत्ति खाते के 66,000 करोड़ रूपए से तुलना करें तो 2010 से तुलना करें तो हमने इसमें 85,597 करोड़ रूपए तक की वृद्धि प्रदान की जो पूर्व वर्ष की पहली तिमाही से 20 प्रतिशत अधिक है। यह ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमारे भुगतान, तुलनात्मक

भुगतान से 87 प्रतिशत अधिक है। पूर्व वर्ष पहली तिमाही के 43,00 करोड़ रूपए के विपरीत पहली तिमाही में भुगतान 8,100 करोड़ रूपए थे। ऋण परिसंपत्तियों में 29 प्रतिशत द्वारा वृद्धि के परिणाम स्वरूप हमारी कुल आय प्राथमिक रूप से 28 प्रतिशत अधिक हुई क्योंकि हमारा औसत लाभ 11.30 से 11.03 नीचे आया। शुद्ध ब्याज आय 23 प्रतिशत द्वारा 700 करोड़ रूपए से 858 करोड़ रूपए अधिक हुआ है। कर पश्चात लाभ 18 प्रतिशत द्वारा 555 करोड़ रूपए से 652 करोड़ रूपए तक अधिक हुआ है।

फिर भी, यदि हम आयकर प्रतिदेय या विदेश मुद्रा अनुवाद हानि जैसी असाधारण वस्तुओं के लिए सांमजस्य बनाते हैं तब कर पश्चात तुलनीय (तुलना योग्य) लाभ में शुद्ध वृद्धि 23 प्रतिशत है अर्थात 508 करोड़ रूपए से 626 करोड़ रूपए। जहां तक कोषों के मूल्य का संबंध है, यह 36 आधार बिंदुओं 8.64 प्रतिशत से 8.28 प्रतिशत नीचे आया है, यह पूर्व वर्ष पहली तिमाही की समाप्ति तक एवं इस वर्ष पहली तिमाही तक उधार की भारित औसत लागत है। लाभ में 27 प्रतिशत आधार बिंदुओं की कटौती के परिणामस्वरूप, हमारा विस्तार 2.66 प्रतिशत से 2.75 प्रतिशत अर्थात 9 आधार बिंदु तक बढ़ा है। शुद्ध ब्याज का अंतर 4.26 प्रतिशत से 4.09 प्रतिशत तक 16 आधार बिंदु नीचे है अर्थात सटीक रूप से हमारी अपेक्षित शक्ति में सुधार हुआ है। अन्य प्रकरण जिसे मैं उजागर करना चाहूंगा, है कि पूर्व वर्ष के प्रारंभ में, पूर्व वर्ष 2011 की पहली तिमाही की समाप्ति पर हमारी शेष स्वीकृतियां जो 1,42,000 करोड़ रूपए हैं के विपरीत 1,33,000 करोड़ रूपए थीं। यह बढ़ोत्तरी वृद्धि का संकेत है जो आगे भी जारी रहने वाली है।

इस सभी के परिणामस्वरूप, हमारा शुद्ध औसत लाभ पर लाभ में 20.08 प्रतिशत से 20.50 प्रतिशत अर्थात 42 आधार बिंदु की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार, औसत परिसंपत्तियों पर लाभ वास्तव में 3.21 प्रतिशत से 2.9 प्रतिशत घटा है। प्रति शेयर अर्जन 19.34 रूपए से 22.73 रूपए तक बढ़ा है। खाता मूल्य 98.57 रूपए से 113.57 रूपए बढ़ा है जो 15 प्रतिशत अधिक है, ईपीएस 18 प्रतिशत बढ़ा है जो 18 प्रतिशत अधिक है। पूर्व वर्ष समान अवधि में 17.51 प्रतिशत तुलनानुसार पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.38 प्रतिशत पर बनी हुई है। जहां तक पूंजी पर्याप्तता से संबंध है जिसे मैं यहां आपसे साझा करना चाहूंगा, यह है कि हमारी वास्तविक मांग क्योंकि हम एनबीएफसी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के एक शासकीय स्वामित्व वाली पीएसयू होने के नाते विवेकपूर्ण मानकों के पालन करने आधिकारिक रूप से मुक्त हैं एवं हमारे मानक हमारे विद्युत मंत्रालयके साथ चर्चा के पश्चात तैयार किए गए हैं, पूंजी पर्याप्तता के मानक जो अब 10 प्रतिशत है, हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक ने अभी हाल ही में एनबीएफसी के अधीन एक नई श्रेणी अर्थात एनबीएफसी अवसंरचना वित्तीय कंपनी तैयार की है। एनबीएफसी आईएफसी श्रेणी के लिए मानदंडों की आवश्यकता यह है कि ऋण बही का 75 प्रतिशत अंश केवल अवसंरचना कंपनी को दिया जाए। जिसका हम पालन कर रहे हैं और इसलिए हमें एनबीएफसी आईएफसी श्रेणी में वर्गीकृत किया जाएगा। इसका लाभ यह होगा कि विद्युत क्षेत्र की बड़ी आवश्यकता होने के बावजूद भी, हमारा एक्सपोजर जो वर्तमान में निबल मूल्य का 20 प्रतिशत है, वह एकल कंपनी के लिए 5 प्रतिशत से अधिक होगा और सामूहिक एक्सपोजर भी 5 प्रतिशत अधिक होने से यह वर्तमान के 35 प्रतिशत से बढ़कर 40

प्रतिशत हो जाएगा। इस 5 प्रतिशत अधिक एक्सपोजर के परिणामस्वरूप वहां अतिरिक्त करोबार करने की एक संभावना है, क्योंकि सभी ऋणग्राही इस लाभ को प्राप्त करने के योग्य नहीं हो सकते, केवल बड़े ऋणग्राही ही उसका लाभ प्राप्त करने के योग्य होंगे, परंतु यदि सभी ऋणग्राही उस स्तर पर पहुंचते हैं जो तुरंत नहीं हो सकता परंतु थोड़े समय पश्चात तभी अनुमानित रूप से लगभग 20,000 करोड़ रूपए से 40,000 करोड़ रूपए के अतिरिक्त करोबार करना संभव होगा। इन्हीं आंकलनों एवं वास्तविक डाटा के साथ मैं आगे की कार्रवाई का दायित्व श्री राहुल को सौंपता हूँ।

संचालक:

श्रीमान जी, जरा ठहरें। श्री राहुल आप आगे की कार्रवाई शुरू करें।

श्री राहुल जैन:

हां, श्रीमान जी , अब हम सहभागियों से प्रश्न व उत्तर कर सकते हैं।

संचालक:

निश्चित रूप से श्रीमान जी।

इस समय, यदि कोई प्रश्न पूछना चाहते हैं, तो कृपया अपने टेलीफोन पर *1 दबाएं एवं अपने नाम की घोषणा होने की प्रतीक्षा करें। यदि आप अपने अनुरोध को निरस्त करने की इच्छा करते हैं, कृपया हैश या पाउंड की को दबाएं।

पहले पंक्ति में हमारे पास इडेलबीस से श्री कुनाल शाह का प्रश्न है। कृपया आप आगे की कार्रवाई शुरू करें।

श्री कुनाल शाह:

हां श्रीमान जी, बधाई। संख्याओं का बड़ा समुच्चय। श्रीमान जी संवितरण के संदर्भ में मैं यह सोचता हूँ इस तिमाही यह लगभग 8,000 करोड़ रूपए है एवं रन दर देखते हुए साधारण रूप से दूसरी तिमाही, तीसरी तिमाही एवं चौथी तिमाही में उसमें सुधार हो सकता है, इसलिए निश्चित रूप से मैं यह सोचता हूँ कि लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा। परंतु क्या हम ऐसी स्थिति संभवतः इन अन्य दो वर्ष पूर्ववर्ती वर्षों के कारण देख रहे हैं और हो सकता है कि अगले दो वर्षों के लिए हम विद्युत क्षेत्र के वित्त पोषण के लिए अपेक्षाकृत अधिक संवितरण देखने को मिले। हां ऐसा ही है...

श्री सतनाम सिंह:

अच्छा, मैंने आपके साथ भी भागीदारी की है कि तिमाही के अंत तक कुल भुगतान 1,42,000 करोड़ रूपए है। अनिवार्य रूप से ये विशिष्ट स्वीकृतियां दो से चार वर्षों के अंतराल में संवितरित की जाती हैं। या इसी प्रकार विभिन्न विकासकर्ता जिन्होंने परियोजना अधिग्रहीत की है, द्वारा प्रगति किए जाने पर निर्भर करते हुए संवितरित की जानी हैं। पहली तिमाही में 87 प्रतिशत वृद्धि दर निष्पक्ष रूप से उन्नति के स्तर को प्राप्त कर पहुंची है, एक अच्छा संकेत है। अतः यह कहना कठिन होगा कि आगे यह आगे त्वरण प्राप्त करती रहेगी या नहीं। हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि चूंकि पहली तिमाही में हमने 87 प्रतिशत प्राप्त किया है, 23 प्रतिशत विकास दर की सकल राशि जिसे हमने पूर्व वर्ष वार्षिक आधार पर एक साल में प्राप्त किया है, हम निश्चित रूप से उसे प्राप्त करेंगे।

श्री कुनाल शाह:

बिल्कुल ठीक, और श्रीमान जी वहां विशिष्ट स्वीकृतियों पर एक और रोचक स्लाइड है जो संपादित दस्तावेजों में टूट चुकी है एवं संवितरण प्रारंभ कर दिया गया है एवं संपादित दस्तावेजों के जैसे हो सकती है परंतु संवितरण जारी नहीं किया गया। बिल्कुल ठीक है, इसलिए इसको समझने के लिए कि आगे संवितरण कैसे होगा, हम इस विशिष्ट स्लाइड में कैसे देख सकते हैं। हो सकता है इस 1,41,000, 68,000 के अतिरिक्त दस्तावेज संपादित हुआ हो। एवं संवितरण प्रारंभ हुआ हो। अतः क्या हम 68,000 को संवितरित हुआ जैसा देखते हैं जो अगले 12 से 18 माह में इस प्रकार हो सकता है अर्थात् यह समान कैसे है?

श्री सतनाम सिंह:

नहीं, यहां इसका तात्पर्य यह है कि जहां तक संवितरण से संबंध है वहां कोई मुद्दा नहीं है, सिवाए तीन संवितरण शर्तों के अनुपालन के। परंतु तब इसमें से कुछ ऋण जहां कि परियोजनाएं विकसित हुई हैं हो सकता है। अन्य ऋण, जहां दस्तावेज केवल एक माह पूर्व, दो माह पूर्व या तीन माह पूर्व कार्यान्वित किये गए हों वहां हो सकते हैं। अतः पूर्वतर कार्यान्वित दस्तावेज, वहां संवितरण की गति में वृद्धि होगी, परंतु जहां तक अग्रिम का संबंधित है, नवसंपादित दस्तावेज हो सकते हैं, यह बहुत तीव्र होगा, परंतु जहां तक चारणिकता का संबंध है, यह सामान्य मानके के अनुसार जाएगी अर्थात् प्रथम वर्ष में 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत है, फिर 30 से 35 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष यह लगभग 45 प्रतिशत जो अधिकतम है एवं शेष चतुर्थ वर्ष में। अतः इस विघटन से यह निष्कर्ष निकालना बहुत कठिन होगा। यह आपको केवल एक संकेत देने के लिए दिया जा रहा है कि हमें अगले स्तंभ के लिए कहने दें कि दस्तावेज संपादित कर दिए गए हैं परंतु संवितरण अभी तक प्रारंभ नहीं हुए। अब इस पर भी आधारित संवितरण पूर्व संवितरण शर्त

के अनुपालन के लिए शर्त हो सकती है, संवितरण बहुत त्वरित प्रारंभ हो सकता है और यह 44,900 करोड़ दस्तावेजों हैं वे अभी तक संपादित नहीं हुए हैं। जो कुछ समय ले सकता है। निजी क्षेत्र में सामान्यतः 6 महीने अपेक्षित हैं, परंतु तब हमें पहले स्वीकृति की तिथि देखनी होगी, एवं निजी क्षेत्र में, यह प्रलेख संपादन भाग अधिक पूर्वतर है। अतः सुव्यवस्थित निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते परंतु यदि हम उसी समय के पूर्व वर्ष को देखते हैं तो विशिष्ट 1,33,000 थीं और इस समय 1,42,000 है एवं उस बिंदु पर कार्यान्वित ऋणों का एक वर्ष पहले ही पूर्ण हो गया है। संवितरण में वहां गतिवर्धन की एक संभावना है।

श्री कुनाल शाह:

और श्रीमान जी, स्वीकृति जो तिमाही दर तिमाही वृद्धि हुई है, यह मुख्यतः निजी क्षेत्र को अधिकतम ऋण प्रदान करने के कारण है। क्या वहां इस तिमाही में निजी क्षेत्र को संवितरण पिछले दो वर्षों के दौरान 5 प्रतिशत कम जैसे कि विपरीत अर्थात् 20 प्रतिशत अधिक रहा है?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, यह इसके जैसा है, मैं सोचता हूँ जब मैंने उस समय वार्षिक परिणामों की सहभागिता की थी मैंने उल्लेख किया था कि पिछले वर्ष निजी क्षेत्र निजी क्षेत्र को स्वीकृतियों का अंश 24 प्रतिशत से 25 प्रतिशत है। अब, पिछले वर्ष की स्वीकृतियां संवितरण में तत्काल परिणित नहीं होगी, परंतु वृद्धि होने पर निजी क्षेत्र के संवितरण का अंश भी ऊपर जाएगा, प्रतिशतता की क्रम में अधिक भिन्न नहीं हो सकता। परंतु निश्चित रूप से सकल मूल्य के क्रम यह अधिक होगा।

श्री कुनाल शाह:

और श्रीमान जी, नोडल एजेंसी से संबंधित एक अंतिम प्रश्न, मैं सोचता हूँ कि निपटारे पर पहुंच गया है जिस पर मेरा सोचना है कि ऐसी स्वीकृति से हुआ, बिल्कुल ठीक। अतः मैंने राशि प्राप्त नहीं की जो वहां समायोजनों में 49 करोड़ रूपए का है जो तुलनात्मक पीएटी के लिए दिया गया है और यह 66 करोड़ जिन्हें खातों को नकदी के लिए दिया गया है।

श्री सतनाम सिंह

इसमें आप क्या पूछना चाहते हैं?

श्री कुनाल शाह:

नहीं मैं सोचता हूँ, तिमाही पर ध्यान दें, कि किस प्रकार तिमाही के लिए सामान्य के अंतर्गत राशि आरक्षित की होगी, मैं सोचता हूँ इसे तुलनात्मक पीएटी में नहीं दर्शाया गया होगा जब हम तुलनात्मक पीएटी पर पहुंच रहे हैं?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, क्योंकि सत्र 30 जून के पश्चात यह तिमाही के लिए भी यहां प्रतिबिंबित प्राप्त कर रहा है।

श्री कुनाल शाह:

बिल्कुल ठीक, क्योंकि मैं अभी पूर्व वर्ष संख्या को देख रहा था एवं वह 49 से अधिक वह भी टैक्स पूर्व निम्नतर आ रहा था, क्या मैंने सही सोचा, अतः यह तिमाही संख्या संयोग से यहां भी समायोजित है?

श्री सतनाम सिंह

हां, यह तिमाही, पिछले दो वर्ष एवं तिमाही से यहां प्रतिबिंब प्राप्त कर रहे हैं।

श्री कुनाल शाह:

बिल्कुल ठीक श्रीमान जी, हां, धन्यवाद?

संचालक:

सहभागियों से अनुरोध है कि एक समय में दो प्रश्नों तक सीमित रहें। अगला प्रश्न बिडला सनलाइफ इंश्योरेंस से श्री रामनाथ वी. की ओर से है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखे।

श्री रामनाथ जी:

हां श्रीमान जी, मेरे अनुरोध के लिए आपको धन्यवाद। मैं जानना चाहता हूँ कि आपकी संवितरण वृद्धि इस वर्ष की तिमाही में निष्पक्ष रूप से मजबूत रही है। अतः, क्या आप पूरे वर्ष के लिए ऋण वृद्धि 35 प्रतिशत के लगभग निष्पक्ष रूप से अधिक देखते हैं या क्या आप सोचते हैं कि यह एक थोड़ी धीमी गति पर होगी।

श्री सतनाम सिंह

यह कहना कठिन होगा हम कितने प्रतिशत प्राप्त करेंगे। मैं कह सकता हूँ कि यह निश्चित रूप से वृद्धि दर जो 24 प्रतिशत है जिसे हमने पूर्व वर्ष प्राप्त किया था, से ऊपर रहेगी। वर्तमान तिमाही एवं ऋण परिसंपत्ति वृद्धि दर संवितरण में 87 प्रतिशत वृद्धि दर के कारण 29 प्रतिशत रही है। अतः आगे जाते हुए भी, मैं निश्चित हूँ हम 24 प्रतिशत उच्चतर प्रतिशत बनाए रखने के योग्य होंगे। परंतु यह कितनी अधिक होगी संवितरण की प्रगति एवं विद्युत परियोजनाओं के विकास पर निर्भर होगा।

श्री रामनाथ जी:

निश्चित ही, श्रीमान जी एक और तथ्य। आपके प्रारंभिक टिप्पणियों में से एक, आपने कहा कि समूह अनावरण मापदंड एक आईएफसी के लिए वस्तुतः 40 प्रतिशत होगा। मेरा मानना था कि यह 50 प्रतिशत है, क्या मैं सही हूँ या यह 40 प्रतिशत ही है श्रीमान जी?

श्री सतनाम सिंह

नहीं यह 40 प्रतिशत है, निवेश के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त निवेश इक्विटी के लिए है, इसको मिलाकर 50 प्रतिशत है।

श्री रामनाथ जी:

बिल्कुल ठीक, 10 प्रतिशत सकल है...

श्री सतनाम सिंह

ऋण अदायगी एक्सपोजर 40 प्रतिशत होगी।

श्री रामनाथ जी:

बिल्कुल ठीक। अतः सकल एक्सपोजर 50 प्रतिशत पर बंद होगा

श्री सतनाम सिंह

बिल्कुल ठीक।

श्री रामनाथ जी:

श्रीमान जी, और एक छोटा अवलोकन जिसे मैंने पाया है कि जब मैं बीएसई विनिमय डाटा पर ब्याज आय एवं ब्याज व्यय देखता हूँ एवं मैं आपकी वस्तु को देखता हूँ जिसे प्रस्तुति में दिया गया है, वहां ब्याज व्यय में एवं ब्याज आय में कुछ अंतर है। यह अंतर ठीक-ठीक क्या है, वह क्यों आता है? मेरे पास नहीं...

श्री सतनाम सिंह

मुझे मालूम नहीं है कि बीएसई में वहां क्या उल्लेख किया है, परंतु उन्हें केवल हमारे प्रस्तुतीकरण से जाना चाहिए था परंतु मैं आपको बात सकता हूँ वह राशि क्या है। निबल ब्याज आय 700 करोड़ से 858 करोड़ रूपए बढ़ी है जो 23 प्रतिशत अधिक है।

श्री रामनाथ जी:

श्रीमान जी, वही है जिसे मैं कह रहा हूँ। आपके...

श्री सतनाम सिंह

पीएटी 555 करोड़ रूपए से यह 652 करोड़ रूपए पहुंच गई है जो 18 प्रतिशत अधिक है।

श्री रामनाथ जी:

निश्चित ही। श्रीमान जी, मुझे पीएटी संख्याओं से कोई परेशानी नहीं है, मैं कह रहा हूँ कि जब मैं ब्याज आय एवं ब्याज व्यय रेखा को देखता हूँ जो कुछ आपके प्रस्तुतीकरण में दिया गया है जो बीएसई वेबसाइट में दिया गया है से किंचित भिन्न है। ?

श्री सतनाम सिंह

मैं आपको सुझाव देता हूँ कि श्री श्रीधर को एक ई-मेल भेजें वह आपको प्रत्युत्तर देंगे क्योंकि मेरे पास दूसरे आंकड़े नहीं हैं अतः मैं अंतर को बता पाने में असमर्थ हूँ।

श्री रामनाथ जी:

ठीक है श्रीमान जी, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद श्री रामनाथ जी। अगला प्रश्न एचडीएफसी म्युचुअल फंड से श्री आनंद लढा की पंक्ति से है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री आनंद लढा:

नमस्कार।

श्री सतनाम सिंह

नमस्कार, श्री आनंद।

श्री आनंद लढा:

श्रीमान जी, संख्याओं का एक अच्छा सम्मुचय।?

श्री सतनाम सिंह

धन्यवाद।

श्री आनंद लढा:

श्रीमान जी, अंतिम चार से पांच तिमाहियों में, आपका विस्तार धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। क्या यह कहना उचित होगा कि 2.75 या 2.8 एक निर्विघ्न उपयोगी विस्तार होना चाहिए जिसका हम वर्तमान में प्रतिनिधित्व करते हैं, या वहां इस पर आगे सुधार के लिए एक गुंजाइश की संभावना है?

श्री सतनाम सिंह

ठीक है, विस्तार जैसे कि आप समझते हैं ऋण संवितरण की संरचना ऋण प्रदाता एवं उधारता लागत में असमानता का एक परिचालन है। अब इस तिमाही एवं पूर्व तिमाहियों में, हम लागतों को कम करने योग्य हुए हैं जिससे लागत 36 आधार बिंदुओं से नीचे आया है, परंतु यह कहना बहुत कठिन है कि प्रत्येक समय हम अग्रता की ओर बढ़ते हैं, हम लागत घटाने योग्य होंगे या नहीं बाजार के ऊपर निर्भर होता है, बाजार कैसे प्रतिक्रिया करता है। परंतु मैं आपको केवल निश्चित कर सकता हूँ, जिसे मैंने नियमित रखा। जब मैंने प्रेस सम्मेलन किया एवं पूर्व में निवेशकों से वार्ता की कि हमें 2.5 प्रतिशत या लगभग एक विस्तार को बनाए रखने के योग्य होना चाहिए।

श्री आनंद लढा:

बिल्कुल ठीक, श्रीमान जी, वास्तव में चूंकि आपने कहा कि आप आईएफसी के रूप में श्रेणीबद्धता प्राप्त करने वाले हैं, अतः आप ईसीबीएस से अपने निबल मूल्य का 50 प्रतिशत तक उधार ले सकते हैं। क्या वह आपकी आगामी उधार लागत कम करने में सहायक होगा?

श्री सतनाम सिंह

ठीक है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में जहां तक आईएफसी की प्रतिष्ठा का संबंध है, वे भी नियंत्रण रख रहे हैं कि वे पूर्ण रूप से प्रथम दिवस पर जो उधार ले रहे हैं उसे प्राप्त करना है। यदि इस प्रकार का प्रतिबंध वहां है तब शायद हम अधिक प्राप्त नहीं कर पाएंगे फिर भी, हमने उनसे इस मांग से हमें मुक्त रखने का एक अनुरोध किया है। अतः यह उनके द्वारा ली गई दृष्टि पर निर्भर करता है।

श्री आनंद लढा:

अवश्य श्रीमान जी, पूर्व में अंतिम विश्लेषकों की बैठक में आपने उल्लेख किया कि आप विकासकर्ताओं की पूंजी कुछ के साथ प्रारंभ करने के लिए एक अधिकतम दर पर कोश उपलब्ध कराएंगे। कोई संवितरण उसके निमित्त इस तिमाही में हुआ है या कुछ अगले वर्ष घटित हो सकता है। क्या अग्रिम तिमाही के लिए पाइप लाइन में कुछ चीज है?

श्री सतनाम सिंह

वहां कोई संवितरण नहीं हुआ है परंतु हमने एक ऋण स्वीकृत किया है। वास्तव में, उसमें हम एक प्रगति का रास्ता नहीं बना सके क्योंकि वहां एक्सपोजर मानकों में कुछ समस्या थी, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जिसके लिए हमें फरवरी या मार्च में अधिकारिक अनुमति दी गई थी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसके बाद हम अब सरकारी क्षेत्रों से उधार के लिए संपर्क बनाए हुए हैं क्योंकि अभी तक वह उत्पाद केवल सरकारी क्षेत्र के लिए परिचित कराया गया है। हम उनके साथ संपर्क में हैं, आंध्र प्रदेश एवं पंजाब से एक प्रस्ताव है जिसकी स्वीकृति केवल एक बार होती है। यदि अग्रिम भुगतान होता है तो मैं आपको स्पष्ट कर सकूंगा। सिक्किम से भी एक प्रस्ताव है। अतः ये 3 से 4 प्रस्ताव लगभग 1200 से 1500 करोड़ रूपए के हैं, परंतु मूल्यांकन के पश्चात ही हम कहने योग्य होंगे कि यह कितना है। क्योंकि ऐसी परिस्थिति में भुगतान भी चरणों में होगा, यह एक समय में नहीं होगा क्योंकि हमने इसे निवेश के साथ नए के अंश में या विस्तार परियोजनाओं से संबंधित कर दिया है आप इसमें एक ठोस भुगतान की संभावना नहीं कर सकते।

श्री आनंद लढा:

ठीक है श्रीमान जी, धन्यवाद। मेरी ओर यही है।

श्री सतनाम सिंह

बिल्कुल ठीक। ओ.के.।

संचालक:

मि. आनंद धन्यवाद। अगला प्रश्न जे. एम. फाइनेंसियल से श्री अशमान कुमार का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अशमान कुमार:

नमस्कार श्रीमान जी।

श्री सतनाम सिंह

नमस्कार।

श्री अशमान कुमार:

श्रीमान जी, यदि आप वास्तव में इस प्रकार के एक उत्साह प्रदान करने वाली हस्ती हो सकते हैं यह कैसे आपके कोषों की लागत को प्रभावित करेगा। क्या आप इसके नीचे जाने की अपेक्षा रखते हैं एवं परिणामस्वरूप उसके बाद आपकी पहुंच क्या है?

श्री सतनाम सिंह

अच्छा, मैं नहीं सोचता हूँ कि इसका उधार की लागत पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव होगा, परंतु हां यदि विदेशी मुद्रा उधारी खंड भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिकारिक छूट प्रदान की जाती है, यद्यपि मूल अधिसूचना में उन्होंने कहा है कि एनबीएफसी आईएफसी को स्वयं प्रथम दिवस में विदेशी मुद्रा उधारी को सीमांकन करना होगा। यदि वे हमें छूट प्रदान नहीं करते तब मैं आंकलन करता हूँ कि उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, परंतु यदि वे हमें एक दिन में पूर्ण सीमांकन से मुक्त करते हैं, तब क्योंकि हमारी विदेशी मुद्रा उधारी बढ़ सकती है, लागत घटाए जोन की अग्रिम संभावना वहां है। मेरा आशय वहां वास्तव में यह लागत में वृद्धि सहित आती है यदि हमारा सीमांकन उचित समय पर नहीं है। अतः मैं नहीं सोचता हूँ कि लागत पर साधारणतः कोई प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यहां तक कि यद्यपि उसे छूट प्रदान हो गई है यह

हमारे कुल उधारी की एक बहुत अल्प प्रतिशतात होगी। हमारी उधारी कंपनी परिप्रेक्ष्य की दर पर सतत बनी रह पाएगी।

श्री अशमान कुमार:

अतः आईएफसी आपकी पूंजी पर्याप्तता अनुपात उच्चतर पक्ष में है। श्रीमान जी सुखद अपेक्षित शक्ति क्या है? अधिकतम अपेक्षित शक्ति जिस पर आप पहुंचेंगे, क्या है?

श्री सतनाम सिंह

ठीक है। हमने 10 प्रतिशत मांग के विपरीत एक आह्वान किया था, यदि हम 12.5 या 13 प्रतिशत पर पहुंचते हैं जिसका अर्थ एक 7 या 7.5 लगभग की अपेक्षित शक्ति होना है वह सुखद होगा वह जब हम अग्रिम पूंजी के अनुप्रेरण पर अवलोकन करना प्रारंभ करेंगे है। फिर भी, एक बार यह आईएफसी प्रतिष्ठा हमें प्रदान की जाती है तब वास्तविक मांग 15 प्रतिशत होगी। इसलिए हमें पहले ही त्वरित रूप से पूंजी बढ़ाने की आवश्यकता है।

श्री अशमान कुमार:

बिल्कुल ठीक। एवं श्रीमान जी, आप नई पूंजी को अनुप्रेरित करने के लिए किस प्रकार की योजना बनाते हैं, एक बार यदि आप वहां आईएफसी प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं, यदि आप इसे लेते हैं?

श्री सतनाम सिंह

हां, हम किस प्रकार के मार्ग का अनुसरण करें जिसके लिए हमें रोका नहीं गया है।

श्री अशमान कुमार:

परंतु क्या एक संभाव्यताएं हैं?

श्री सतनाम सिंह

आप भलीभांति जानते हैं कि संभाव्य मार्ग एफपीओ एवं क्यूआईबी हैं वहां अन्य मार्ग भी हैं परंतु वे कार्यान्वित करने योग्य नहीं हैं। नैतिक प्रकरण भी अन्य विकल्प हैं, परंतु चूंकि सरकार प्रमुख अंशधारी है, नैतिक अधिकार का तात्पर्य होगा शासन भी समान पूंजी को अनुप्रेरित कर रही है परंतु वह मेरे विचार से इस स्थिति में विवेक सम्मत नहीं है।

श्री अशमान कुमार:

बिल्कुल ठीक। और श्रीमान जी, हम लाभ को अग्रसर होता किस प्रकार देखते हैं, क्या आप 11 से 11.5 पर बनाए रखने के योग्य होंगे या नीचे आने की संभावना है क्योंकि यह बाजार में एक विकास कर रही प्रतियोगिता है?

श्री सतनाम सिंह

ठीक है। वहां प्रतियोगिता थी, एवं वहां प्रतियोगिता बनी रहेगी। यह इस प्रकार की प्रतियोगिता नहीं है जो लाभों पर प्रभाव डालती हो क्योंकि वास्तविकता यह है कि हमारा आर्डर (क्रयादेश) खाता 1,42,000 करोड, रूपए है, मैं निश्चित रूप से परिकल्पना कर सकता हूँ कि हम उचित रूप से प्रतियोगात्मक है। परंतु लाभ व्यापक स्तर पर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दर दृश्य पर प्रभावित होगा। अतः यदि दरें नीचे आती हैं लाभ नीचे आएगा एवं.... नहीं वह भिन्न है। परंतु तब मैं यहां इंगित कर सकता हूँ कि वित्तीय बाजार में लागत में यह उतार-चढ़ाव हमें बड़े तरीके से प्रभावित नहीं करते, क्योंकि हमारी व्यवस्था इस प्रकार से है कि स्वीकृति के समय पर ब्याज की दर निश्चित नहीं करते। संवितरण की तिथि पर हम केवल ब्याज की दर वसूल करते हैं एवं संवितरण की तिथि पर वसूल की गई यह दर एक अवधि के लिए उधारी लागत को ध्यान में रखा जाता है। अतः इसलिए वित्तीय बाजार में दरों में किसी उतार चढ़ाव द्वारा हम प्रभावित नहीं होते। यह मैंने नए भुगतान के बारे में उल्लेख किया है जहां तक पूर्व भुगतानों का संबंध है, लगभग एक सीमा तक ऋण खाते के लगभग 71 प्रतिशत के लिए 3 वर्षों के पुनर्स्थापन के मामले में एक प्रावधान है। अतः वहां कोई समस्या नहीं है यदि दरें ऊपर या नीचे जाती हैं। अभी तक हमने सामान्यतः पुनर्स्थापन की तारीख तक पूर्व 3 से 4 वर्षों के लिए सकल प्राप्ति कर ली है, जब से हम तीन वर्षीय पुनर्स्थापन से अवगत हुए तब से हमारे लिए वहां ठोस प्राप्ति रही है।

श्री अशमान कुमार:

बिल्कुल ठीक, आपको बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद श्रीमान जी, अगला प्रश्न डीएसपी मेरिल लिंच से श्री राजीव वर्मा की ओर है। कृपया आगे की कार्रवाई शुरू करें।

श्री राजीव वर्मा:

नमस्कार श्रीमान जी। पुन संख्याओं का अच्छा समुच्चय, आपसे कुल दो बात पूछना चाहता हूँ। पहला यह है क्या आपने पहले ही आईएफसी प्रतिष्ठा के लिए आवेदन कर लिया है जिसके बारे में आप उल्लेख कर रहे हैं?

श्री सतनाम सिंह

हां। हमारे पास है।

श्री राजीव वर्मा:

बिल्कुल ठीक। और दूसरी बात यह है कि आपके एएलएम पर क्या आप हमें एक विचार दे सकते हैं कि इस वर्ष आपकी कितनी अधिक परिसंपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन होगा एवं दायित्वों के कितने प्रतिशत का पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा?

श्री सतनाम सिंह

जरा एक मिनट।

श्री राजीव वर्मा:

अवश्य। एवं श्रीमान क्षमा करें, इस बीच में क्या अभी मैं आपसे पूछ सकता हूँ, आप अपने भुगतानों पर अपनी प्रस्तुतिकरण में जानते हैं, आपके पास एक अन्य संगठित निगम है सैद्धांतिक रूप से 2400 करोड़ रूपए के लगभग, वह क्या होगा?

श्री सतनाम सिंह

अन्य किस राशि के अंतर्गत आप संदर्भित कर रहे हैं। अन्य एक अल्प अवधि ऋण है एवं अन्य उत्पाद में सोचता हूँ और अधिक या भिन्न। आप किस स्लाइड के बारे में चर्चा कर रहे हैं?

श्री राजीव वर्मा:

वह वास्तव में स्लाइड नं. 9 पर 2478 है?

श्री सतनाम सिंह

हां, वह सही है। अच्छा ये अन्य कंपनियां ही हो सकती हैं, वितरण, उत्पादन एवं हस्तांतरण यह इसका अधिकतम अल्प अवधि ऋण है।

श्री राजीव वर्मा:

अच्छा? बिल्कुल ठीक है।

श्री सतनाम सिंह

जहां तक पुनर्स्थापन का संबंध है, ऋण परिसंपत्तियां वित्तीय वर्ष 2011 में, पुनर्स्थापन राशि लगभग 25,000 करोड़ रूपए के लगभग होगी।

श्री राजीव वर्मा:

ठीक है।

श्री सतनाम सिंह

कुछ और?

श्री राजीव वर्मा:

एवं दायित्व के लिए, श्रीमान जी क्या आपके पास एक समान संख्या होगी?

श्री सतनाम सिंह

दायित्व के लिए समान संख्या, हमारे कुल दायित्वों में से हमारी चल/अस्थायी दर दायित्व लगभग 31 प्रतिशत है जो 22,491 करोड़ रूपए है। अब इन अस्थायी दर दायित्वों की संरचना सामान्य नहीं है। कुछ 6 माह पुनर्स्थापन है, कुछ 1 वर्ष पुनर्स्थापन हैं एवं कुछ तीन वर्षीय पुनर्स्थापन हैं।

श्री राजीव वर्मा:

ओ.के., बिल्कुल ठीक श्रीमान जी। वह बहुत बढ़िया है श्रीमान जी। आपको बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक:

श्री राजीव आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न प्रिंसिपल फंड से श्री प्रफुल्ल कुमार की ओर से है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री प्रफुल्ल कुमार:

प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद श्रीमान जी, क्या आप अपनी अन्य आय का ब्यौरा दे सकते हैं जिसमें यूएमपीपी कितना है, पट्टा आय एवं अन्य आय कितनी अधिक है?

श्री सतनाम सिंह

जरा एक मिनट। अन्य आय का ब्यौरा, नोडल एजेंसी शुल्क 43 करोड़ है, पट्टा आय 9 करोड़ है एवं अन्य फुटकर आय 13 करोड़ है, कुल 65 करोड़ है।

श्री प्रफुल्ल कुमार:

बिल्कुल ठीक। संपूर्ण वर्ष के लिए दृष्टिकोण क्या है श्रीमान, क्योंकि पूर्व वर्ष एपीडीआरपी के अधीन कुछ जानकारी आप जानते हैं जो 45 करोड़ के आसपास था। अतः वर्ष के लिए इस विशिष्ट लाइन आइटम के बारे में आपका संपूर्ण दृष्टिकोण क्या होगा?

श्री सतनाम सिंह

अब यह कि विद्युत मंत्रालय द्वारा यह निर्णय लिया कर लिया गया है और वित्त मंत्रालय को एपीडीआरपी शुल्क के आधार पर हमारे द्वारा की गई प्रगति को ध्यान में रखते हुए निर्णय करना है, हम यह शुल्क तय करेंगे और बुक करेंगे, जो हमारी अन्य आय का एक प्रमुख भाग है।

श्री प्रफुल्ल कुमार:

बिल्कुल ठीक श्रीमान जी, बहुत अच्छा। धन्यवाद।

संचालक:

श्रीमान आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न स्पार्क कैपिटल से श्री गणेश राम की ओर से है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री गणेश राम:

आपको धन्यवाद श्रीमान जी, श्रीमान जी क्या आप मुझे बता सकते हैं आपकी विद्युत बोर्ड एक्सपोजर का कितने भाग में एस्को सुविधा नहीं है?

श्री सतनाम सिंह

सरकारी क्षेत्र को ऋण प्रदान करने के लिए एक पूर्व शर्त है कि त्रिपक्षीय एस्करो समझौता होना चाहिए।

श्री गणेश राम:

निश्चय ही श्रीमान, सभी राज्य / सरकारी विद्युत बोर्ड एस्करो के पास एक राज्य सरकार गारंटी है?

श्री सतनाम सिंह

नहीं। यह ऋण खाते का लगभग 18 प्रतिशत है जिसमें एक राज्य सरकार की एक अतिरिक्त सहायत गारंटी है। एस्करो प्रकरण पर, मैं आपको बता दूँ कि जहां कहीं भी ऊर्जा स्वयं क्रमिक राज्य सरकारों द्वारा देखभाल की जाती है, वहां हमारे पास एस्करो नहीं हैं क्योंकि यह ऊर्जा विभाग को प्रत्यक्ष रूप से ऋण प्रदान कर रही है। उदाहरण के लिए गोवा ऊर्जा विभाग या मेघालय या कुछ अन्य जहां कहीं विद्युत बोर्ड नहीं है। अतः मैंने आपके प्रश्न का उत्तर दे दिया है कि जहां कहीं राज्य विद्युत बोर्ड है वहां हमारे पास एस्करो है, परंतु जहां कहीं इसकी देखभाल ऊर्जा विभाग द्वारा की जाती है, वहां हमारे पास एस्करो नहीं है।

श्री गणेश राम:

निश्चय ही। मेरा दूसरा प्रश्न जोखिम भारों पर है जो आपको अपनी राज्य सरकार द्वारा गारंटी प्राप्त परियोजनाओं पर मिलेगा। अब पूंजी पर्याप्तता जिसका आपने उल्लेख किया है, यदि आपको आईएफसी का लाभ प्राप्त होता है, तो यह 15 प्रतिशत होगी, परंतु पूंजीगत पर्याप्तता इस बात के बावजूद भी परिवर्तित होगी क्योंकि गारंटी प्राप्त परियोजनाओं के लिए जोखिम भार 20 प्रतिशत होगा। अतः इसके बावजूद भी क्या आप अभी भी ऐसा मानते हैं कि अगले 12 माहों में पूंजी बढ़ाने जाने की आवश्यकता है?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, यह 20 प्रतिशत जोखिम भार जहां परिसंपत्ति राज्य सरकार गारंटी द्वारा अतिरिक्त सहायता प्राप्त है यहां तक कि हमारे लिए आज भी प्रयुक्तनीय है, और उसे भी 17.38 के कार्यान्वयन में ध्यान में रखा गया है।

श्री गणेश राम:

बिल्कुल ठीक, बहुत अच्छा। मेरा अंतिम प्रश्न है बैंक उधारियों पर है, जिन्हें आप प्राप्त कर रहे हैं, परंतु प्रत्यक्ष उधारियां जिन्हें मैं बैंकों द्वारा ग्राहित बॉर्डों से संदर्भित नहीं कर रहा हूँ, क्या यह प्रभावित हुआ है या दरें आधार दर के कारण बढ़ी हैं?

श्री सतनाम सिंह

सचमुच में नहीं।

श्री गणेश राम:

आपके वर्तमान उधारियों का कितना अधिक भाग प्रत्यक्ष बैंक उधारियां होगी श्रीमान जी?

श्री सतनाम सिंह

कुल उधारियों का 22 प्रतिशत सावधी ऋण हैं।

श्री गणेश राम:

क्या आप नहीं सोचते, आप जानते हैं कि अधिकतम बैंकों का वर्तमान आधार दर जो चुनौती प्रस्तुत कर सकती है, लगभग आपके वर्तमान उधारी दर के समान रखा गया है एवं वह दर वृद्धि प्राप्त कर सकती है। जब पुनर्स्थापन प्रत्याशित अग्रसर हो रहा है?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, मैं नहीं सोचता हूँ हमारे मामले में कोई दर वृद्धि एक बड़े रूप में ब्याज दरों के वसूलने की हमारी पद्धति के कारण प्रभावित करेगी। हम ब्याज दरों को नहीं वसूलते, हम स्वीकृति की तारीख पर ब्याज की दर तय नहीं करते हैं। संवितरण की तारीख पर ब्याज वसूल किया जाता है एवं भुगतान की तारीख पर दर वसूली अवधि के लिए उधारी लागत को ध्यान में रखा जाता है। अतः जहां तक नए भुगतान का संबंध है हम प्रभावित नहीं होंगे। जहां तक पुनर्स्थापन का संबंध है हमारे पास प्रत्येक तीन वर्षों पर खाते का लगभग 71 प्रतिशत का पुनर्स्थापन प्रावधान है एवं जब तक हमारे पास पुनर्स्थापन है हमें धन की हानि नहीं हुई है। बल्कि हमने थोड़ा अधिक ही प्राप्त किया है।

श्री गणेश राम:

बिल्कुल ठीक। बहुत अच्छा, श्रीमान जी मेरा इतना ही अनुरोध था, धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद श्रीमान। सहभागियों से अनुरोध है कि एक समय में दो ही प्रश्न पूछें। अगला प्रश्न रैलीगियर एसेट मैनेजमेंट से श्री अमित गनात्रा की ओर से है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अमित गनात्रा:

मेरे प्रश्नों का उत्तर दे दिया गया है, धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद श्री अमित। अगला प्रश्न 21वीं सेंचुरी शेयर्स से श्री नयन मेहता की ओर से है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री नयन मेहता:

इस तिमाही के लिए संख्याओं के एक उत्तम सम्मुचय पर बधाइयां। मेरा प्रश्नों में से कुछ प्रश्नों का उत्तर दिया जा चुका है। मैं अभी जानना चाहता हूँ, आपके ऋण खाते का ऋणों का एवं उधारियों के लिए औसत पट्टा क्या है, क्या आप उन दोनों का समय ढांचा जानते हैं?

श्री सतनाम सिंह

परिसंपत्तियों की औसत परिपक्वता लगभग 5.93 है एवं दायित्वों की औसत परिपक्वता 5.34 है।

श्री नयन मेहता:

5.34, हां, एवं क्या यह आपके ऋण खाते का एक क्षेत्रवार ब्यौरा प्राप्त करना असंभव होगा। मैं समझता हूँ इसका अधिकांश भाग ऊर्जा क्षेत्र होगा, परंतु आपके पास उस पर कोई चीज साझा करने के लिए है?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, वह चीज ऊर्जा क्षेत्र पर है। क्षेत्र अनुसार से आपका क्या तात्पर्य है?

श्री नयन मेहता:

अब आगे बढ़ने से मेरा तात्पर्य अगले प्रश्न से है कि यदि एक बार आप ऊर्जा प्राप्त कर लेते हैं एवं हमने परियोजना की स्थिति की देख ली है तो क्या आप इसका उल्लेख ऊर्जा के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी कर रहे हैं?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, हम विशेष रूप से ऊर्जा के क्षेत्र के लिए निर्मित हैं। हम सतत बने रहेंगे, क्योंकि इस वर्ष ऊर्जा के क्षेत्र में अत्यधिक गुंजाइश है।

श्री नयन मेहता:

हां। केवल ऊर्जा क्षेत्र में आपकी दक्षता प्राप्त करने के लिए कि क्या आप निश्चित ऊर्जा परियोजना में जहां आपको एक एक्सपोजर था या हो सकता है। आपको यह मालूम है जहां आपके लिए पाइप लाइन में कुछ परियोजनाएं हैं आप उनमें कोई बिलंब देखते हैं?

श्री सतनाम सिंह

अच्छा भुगतान में 87 प्रतिशत विकास दर एक संकेतक है कि प्रगति चिह्न से ठीक ऊपर है एवं हमारे पास 1,42,000 करोड़ का एक विशिष्ट ऋण खाता है। अतः मैं नहीं समझता हूँ वहां कोई विपरीत स्थिति है। पृथकन में कहीं-कहीं एक दो परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं, परंतु सामान्यतया 87 प्रतिशत की वृद्धि दर वास्तव में प्रगति एक संकेतक है।

श्री नयन मेहता:

क्या उस मामले हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि शेष बची तीनों तिमाहियों में उसी प्रकार की वृद्धि होगी?

श्री सतनाम सिंह

अच्छा, वह आपके लिए परख करने के लिए है, परंतु हां सत्य दिया गया है कि हमारे पास एक बहुत उच्च 1,42,000 करोड़ की मांग आपूर्ति खाता है, हम अपेक्ष करते हैं कि हम विकास गति बनाए रखने के योग्य होंगे। यह कितनी प्रतिशत की होगी यह कहना कठिन है।

श्री नयन मेहता:

एवं, आप वर्तमान वर्ष के लिए लाभप्रदता पर किसी प्रकार का मार्गदर्शन दे सकेंगे, यह संभव है?

श्री सतनाम सिंह

मैं मार्गदर्शन करता हूँ? मैं नहीं सोचता, माना मैं कोई मार्गदर्शन देता हूँ, परंतु निश्चित रूप से पूर्व वर्ष परिसंपत्ति वृद्धि दर 24 प्रतिशत वर्ष दर वर्ष, वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल आय अर्जित करेगा। अतः उस प्रकार की विकास दर आप कुशलतापूर्वक परिकल्पना कर सकते हैं का स्थान प्राप्त करेगी।

श्री नयन मेहता:

आपको धन्यवाद श्रीमान जी। आपके लिए शुभकामनाएं।

संचालक:

आपको धन्यवाद श्रीमान। अगला प्रश्न शुभकाम कैपिटल से श्री अरुण जैन की ओर से है, कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अरुण जैन:

नमस्कार।

श्री सतनाम सिंह

हां।

श्री अरुण जैन:

नमस्कार श्रीमान जी, मेरे पास आपके पूंजी पर्याप्तता से एक छोटा सा स्पष्टीकरण है। अब आपने ढांचागत फाइनेंस कंपनी के लिए आवेदन किया है। अतः ठीक अभी आप पूंजी पर्याप्तता अनुपात के 10 प्रतिशत के लिए पात्र हैं एवं अब आईएफसी प्रतिष्ठा के लिए आप पूंजी पर्याप्तता अनुपात के 15 प्रतिशत के लिए पात्र होंगे। अतः कृपया आप परिमाणित कर सकते हैं कि आपकी 5 प्रतिशत पूंजी अवरोधित होगी। अब पहले ही कोष की आपकी लागत इतनी अधिक नहीं है। अतः आप सभी हानियों या नकारात्मक उपयोग को परिमाणित कर सकते हैं, मैं समझता हूँ कि ईसीबी एवं प्रत्येक चीज वहां एक बड़ा लाभ है। अतः क्या आप इस पार्श्व से किसी प्रकार की नकारात्मकता देखते हैं?

श्री सतनाम सिंह

नहीं, स्वयं 15 प्रतिशत, यदि आप इस दृष्टिकोण से इस पर दृष्टिपात करें एक नकारात्मक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है क्योंकि नहीं तो 17.38 प्रतिशत पूंजी की पर्याप्तता सहित, समय के इस बिंदु पर हम बाजार में नहीं आए होते एवं पूर्व में वहां 15 प्रतिशत नीचे अर्थात् 13 प्रतिशत या 12.5 प्रतिशत जाने की संभावना थी। परंतु अब निश्चित रूप से 15 प्रतिशत उच्चतर बनाई रखनी होगी जिसका अर्थ होगा कि शुद्ध लाभ पर अभी उच्चतर उत्पादन की संभावना वहां नहीं होगी क्योंकि यदि मांग वास्तव में यह नकारात्मक नहीं है क्योंकि प्रत्येक के लिए यह 15 प्रतिशत होगी। अतः समकक्षों की तुलना में यह नहीं होता, परंतु यदि आप आईएफसी प्रतिष्ठा के साथ ऋण कंपनी प्रतिष्ठा के साथ तुलना करते हैं तब वहां अपेक्षित शक्ति संभावना 7 प्रतिशत से 8 प्रतिशत थी। यहां अपेक्षित शक्ति यहां तक कि यदि हम 7

प्रतिशत से 8 प्रतिशत जाते हैं पूंजी पर्याप्तता मांग अभी भी उच्चतर होगी। अतः उस आशय में, यहां तक कि शुद्ध लाभ पर वह लाभ प्राप्त करते हुए 23 प्रतिशत से 24 प्रतिशत से आगे उच्चतर स्तर संभव नहीं हो सकेगा।

श्री अरुण जैन:

ठीक है, श्रीमान जी मैं यही बात समझना चाहता था। धन्यवाद

संचालक:

धन्यवाद श्री अरुण । अगला प्रश्न श्री पुनीत श्रीवास्तव, जोकि डाइवा सिक्योरिटीज से हैं, उनके द्वारा किया गया है। आप आगे बढ़ सकते हैं।

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

नमस्कार श्रीमान

श्री सतनाम सिंह:

नमस्कार

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

श्रीमानजी, देयता के संबंध में एक प्रश्न। यदि हम देखते हैं कि निधियों की लागत में चौथी तिमाही की तुलना में वास्तविक रूप से पहली तिमाही में आंशिक कमी हुई है।

श्री सतनाम सिंह:

नहीं, आंशिक कमी नहीं बल्कि इसमें 36 आधारभूत बिंदुओं की कमी हुई है। किसी भी मानक के आधार पर क्या इसे आंशिक कमी कहा जा सकता ?

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

नहीं, मेरे कहने का आशय यह है कि निधि की लागत पहली तिमाही में 8.28 थी, जो कि आप भी प्रत्यक्षतः देख रहे हैं ।

श्री सतनाम सिंह:

यह ठीक है।

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

हाँ, पहली तिमाही की तुलना में मुझे लगता है कि यह लागत 8.32 है। इस प्रकार निधि की लागत में आंशिक कमी हुई है। श्रीमान जी, मैं केवल आगाह करना चाहता हूँ कि इसके संभावित कारणों की पहचान की जाए, वे क्या हो सकते हैं। यह संभवतः इस कारण से हुआ हो सकता है कि पिछली तिमाही में उधार लागत बड़ी मात्रा में परिपूर्ण हुई है अथवा कम लागत पर निधियों में वृद्धि करने में आप सक्षम रहे होंगे ?

श्री सनताम सिंह:

नहीं, निम्न लागत पर पूर्ववर्ती तिमाही में ली गई उधारी का पूरा प्रभाव इस तिमाही पर पड़ा है।

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

ठीक है।

श्री सतनाम सिंह:

उच्चतर प्रभाव। उदाहरण के लिए हमने जो भी उधार लिया है वह पहली मार्च को भारत औसत लागत की तुलना में कम लागत पर लिया है। पूर्ववर्ती तिमाही में केवल एक माह के प्रभाव को दर्शाया जाएगा, परंतु यदि यह उधारी माना कि दो वर्ष अथवा तीन वर्ष के लिए ली जाती है तो इसका पूर्ण प्रभाव पहली तिमाही पर पड़ेगा। अतः ऐसी स्थिति में ईसीबी ही एक उदाहरण सामने आता है, जिसके अंतर्गत हमने लगभग दो सौ आधार बिंदुओं के सामान्य स्तर पर 300 मिलियन डॉलर की राशि एकत्र की, इसका पूर्ण प्रभाव वर्तमान तिमाही पर पड़ा है और इसके दूसरी और तीसरी तिमाही पर जारी रहने की संभावना है।

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

ठीक है, श्रीमानजी। और हाँ, पहली तिमाही में निधि की उत्तरोत्तर लागत के संबंध में क्या कोई संभावना व्यक्त की जा सकती है कि पहली तिमाही में किस सीमा तक लागत में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी?

श्री सतनाम सिंह :

हमने 7370 करोड़ रुपए की राशि एकत्र की और उधारी की आंशिक लागत 7.87% प्रतिवर्ष थी।

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

ठीक है, श्रीमानजी। यह विस्तार के संबंध में अंतिम प्रश्न है क्योंकि यह वास्तविक रूप से निधि की लागत से संबंधित है। श्रीमानजी मेरा आशय यह है कि इस पर चर्चा करना अभी जल्दवाजी होगी, मेरा मानना है पावर फाइनैस कॉरपोरेशन और आप भी यह बात बता रहे थे कि आपका लक्ष्य ब्याज में कम से कम 2 प्रतिशत की वृद्धि करना अवश्य रहा होगा और अब ऐसी परिस्थितियां निर्मित हो गयीं हैं जिनके चलते 2.5 प्रतिशत के बारे में भी सोच सकते हैं। इस प्रकार आगे बढ़ने से पहले क्या हम वास्तव में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं?

श्री सतनाम सिंह:

ठीक है, जहां तक वर्तमान परिस्थितियों की बात है, तो ये निश्चित ही अनुकूल है परंतु यदि बाजार करवट लेता है अर्थात् उसमें कुछ अनापेक्षित परिवर्तन देखने को मिलते हैं तो हो सकता है इस पर आंशिक प्रभाव पड़े, परंतु निश्चित ही निकट भविष्य में इसका कोई चौकाने वाला अथवा बड़ा प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

श्री पुनीत श्रीवास्तव:

ठीक है, श्रीमानजी। बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक:

धन्यवाद, श्रीमानजी। अगला प्रश्न हमारे पास श्री आनंद लढा, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के पास से प्राप्त हुआ है। आप आगे की कार्रवाही कर सकते हैं।

श्री आनंद लढा:

हैलो,

श्री सतनाम सिंह:

जी हां,

श्री आनंद लढा:

श्रीमानजी, मेरा आशय 25,000 करोड़ रुपए की उस परिसम्पत्ति से है जो पहले स्थापित की गई और अब इस वर्ष उसका मूल्य निर्धारण किया जाना है।

श्री सतनाम सिंह:

ठीक है,

श्री आनंद लढा:

श्रीमानजी मेरा आशय यह है कि क्या इस मूल्य निर्धारण से कोई लाभ होगा, मेरा मानना है कि यह ऋण पूर्व में कम लागत पर दिया गया होगा। अतः क्या पुनः मूल्य निर्धारण से कोई लाभ होगा अथवा इसका उच्च कीमत पर फिर से मूल्य निर्धारण किया जाएगा।

श्री सतनाम सिंह:

नहीं, इस स्थिति में इस बारे में कुछ भी कहना कठिन होगा क्योंकि मूल्य हास की दर, पुनः निर्धारित दर का पता तो उसी समय चलेगा। परंतु मैं आपके साथ इस बात पर चर्चा अवश्य कर सकता हूं कि यह धनराशि लगभग 11.27 प्रतिशत की औसत दर पर उधार दी गयी थी।

श्री आनंद लढा:

ठीक है, क्या यह संभव है, क्या इस बात की संभावना है कि इसका कम कीमत पर पुनः मूल्य निर्धारण करना पड़ेगा। माना कि हमारी वर्तमान उधारी दर 11 प्रतिशत अथवा पुनः निर्धारण के समय हमारी चालू उधारी 11 प्रतिशत की दर पर की जाती है तो इस बात की परिकल्पना करना उचित होगा कि इसका पुनः मूल्य निर्धारण 11 प्रतिशत की दर पर किया जाएगा।

श्री सतनाम सिंह:

हाँ, निश्चित ही, क्योंकि पुनः निर्धारण का आशय केवल और केवल वर्तमान में लागू दर से है। परंतु जैसा कि आप देख रहे हैं, कोई भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि औसत दर क्या होगी क्योंकि इसके अंतर्गत 25,000 करोड़ रुपए की राशि को भी ध्यान में रखना होगा। इन्हें किस श्रेणी के अंतर्गत रखे जाने की संभावना है। अलग नजरिए से विचार किया जाए तो दर कम अथवा अधिक कुछ भी रहे, परंतु उस पर नजर रखने की आवश्यकता है, न कि भारत औसत पर।

श्री आनंद लढा:

ठीक है, श्रीमानजी। आपसे एक अंतिम प्रश्न । मेरा आशय यह है कि जैसा कि आपने उल्लेख किया है कि केवल इन-फ्रंट में ही आपको 15 प्रतिशत की पूंजी पर्याप्तता बनाए रखनी होगी, क्या यह बात सही है?

श्री सतनाम सिंह:

हाँ

श्री आनंद लढा:

श्रीमान जी, मेरा विश्वास है कि 15 प्रतिशत की यह सीमा टीयर-+ के लिए है अथवा यह टीयर I और टीयर II दोनों के लिए है?

श्री सतनाम सिंह:

मेरा मानना है कि टीयर-I के लिए 10 प्रतिशत और टीयर II के लिए 5 प्रतिशत निर्धारित है।

श्री आनंद लढा:

अतः इसका आशय यह है कि हम थोड़ा बहुत और इस्तेमाल बढ़ा सकते हैं, मुझे लगता है कि हम इसका इस्तेमाल 7 से 8 गुणा तक सहजता से बढ़ा सकते हैं।

श्री सतनाम सिंह:

हाँ, निश्चित ही।

श्री आनंद लढा:

ठीक है, श्रीमान। अतः यह मेरा अपना विचार है। धन्यवाद, श्रीमान।

श्री सतनाम सिंह:

ठीक है,

संचालक:

धन्यवाद, श्रीमानजी अगला प्रश्न आईएनजी निवेश प्रबंधन से आर्यो सुश्री नेहा दवे से प्राप्त हुआ है। आगे की कार्रवाही की जा सकती है।

सुश्री नेहा दवे:

हेलो सर,

श्री सतनाम सिंह:

हाँ

सुश्री नेहा दवे:

यह उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में कंपनी के पास 2800 करोड़ रुपए की विदेशी उधारी है। इसकी कितने प्रतिशत राशि हैज (Hedge) की जाएगी। क्या आप हमें यह बता सकते हैं कितनी राशि हैज की जाएगी और कितनी शेष बचेगी ?

श्री सतनाम सिंह:

इसमें से 18 प्रतिशत हैज की जाएगी। वास्तव में हमने मार्च में जो राशि उधार ली थी, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक से ली गयी 300 मिलियन डालर की राशि शामिल है, वह 5 वर्ष के लिए लिया गया ऋण है और ऐसी स्थिति में इसे हैज करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इससे पहले की राशियों को हैज किया गया है। इस प्रकार 18 प्रतिशत राशि हैज की गयी है, बकाया राशि मुक्त है क्योंकि इसका मोचन काफी लंबे अरसे के बाद किया जाना है। बड़ी टिप्पणियां (यूएसपीपी) के अनुसार हमने 180 मिलियन अमरीकी डालर की राशि एकत्र की जिसका मोचन 2017 तक किया जाना है और 300 मिलियन डालर की जो राशि हमने एकत्र की है उसका मोचन 5 वर्ष पश्चात 2015 में किया जाना है। इस प्रकार हमारे पास यह देखने के लिए पर्याप्त समय है कि ऊँट किस करवट बैठता है।

सुश्री नेहा दवे:

ठीक है, श्रीमानजी एक प्रश्न और है। क्या कंपनी ने केंद्र सरकार को इस आशय को कोई आवेदन दिया है अथवा कंपनी को सरकार की ओर से खुदरा निवेशकों के माध्यम से कोई अवसंरचना बॉड जारी करने की अनुमति प्रदान की गयी है?

श्री सतनाम सिंह:

ठीक है, जहाँ तक सख्त अधिसूचना का संबंध है, हम इस तरह की पहल नहीं कर सकते हैं, हम अवसंरचना बॉड के माध्यम से धनराशि एकत्र नहीं कर सकते हैं क्योंकि हमारा वर्गीकरण एक गैर जमा वाले एनबीएफसी के रूप में किया गया है और यदि हम ऐसा करते हैं तो यह स्तर भी हमसे छीना जा सकता है। परंतु हमने एनबीएफसी आईएफसी स्तर की शर्तों के तहत छूट प्राप्त कर ली है। एक बार ऐसा हो जाने पर संभवतः हम इस बॉड के साथ-साथ अवसंरचना बांड से धनराशि एकत्र करने में सक्षम हो जाएंगे।

सुश्री नेहा दवे:

ठीक है, बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमानजी।

संचालक:

धन्यवाद मैडम । अंतिम प्रश्न हमें एसेट मेहता से आर्यी सुश्री दीप्ति चौहान से प्राप्त हुआ है। आगे की कार्रवाही की जा सकती है।

सुश्री दीप्ति चौहान:

श्रीमानजी मेरा केवल एक प्रश्न है और यह आपकी एक्सपोजर संबंधी शर्तों से संबंधित है। मुझे केवल एक ही स्पष्टीकरण चाहिए। वर्तमान में सरकारी निकायों के मामले में आपकी ऋण उधार देने वाली शर्तों के अंतर्गत आपको 100 प्रतिशत तक का एक्सपोजर मिलता है। जबकि निजी क्षेत्र की कंपनियों के मामले में एक्सपोजर की सीमा 15 प्रतिशत निर्धारित है। मैं केवल यह जानना चाहती हूँ कि पीएफसी और आरइसी के बोर्ड को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से उनके अपने सार्वभौमिक नियमों/शर्तों का अनुपालन करने की छूट प्राप्त है। अतः मैं केवल यह स्पष्ट करना चाहती हूँ कि ऐसी कौन सी शर्तें हैं जो अन्य एनबीएफसी के लिए लागू हैं और आपके लिए नहीं।

श्री सतनाम सिंह:

ठीक है, मुझे यह लगता है कि आपको अन्य संगठनों के बारे में मुझसे प्रश्न नहीं करना चाहिए, परंतु मैं आपको केवल उन शर्तों के बारे में जानकारी दे सकता हूँ जो हमारे लिए लागू हैं। राज्य और केंद्रीय क्षेत्र के लिए लागू शर्तें, जिनको विद्युत मंत्रालय के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया है, मार्च 2012 तक लागू हैं और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मार्च 2012 तक की ही अनुमति हमें भी प्रदान की गयी है। इसका आशय यह है कि सामान्य शर्तों से छूट की सुविधा हमें केवल मार्च 2012 तक के लिए ही प्राप्त है और उस समय अचानक ऐसा कोई निर्णय लिया जाएगा कि उसके पश्चात निजी क्षेत्र के लिए लागू शर्तें राज्य

और केंद्रीय क्षेत्र के लिए भी लागू होंगी। हालांकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हमसे एक रोड मैप प्रस्तुत करने के लिए कहा है ताकि उन्हें यह सूचित किया जा सके कि हम निजी क्षेत्र की शर्तों को कार्यान्वित करने में कब तक सक्षम होंगे। पीएफसी सहित विभिन्न संगठनों द्वारा प्रस्तुत किए गए रोड मैप के आधार पर आरबीआई इस बात पर सामूहिक चर्चा करेगा कि यह छूट आगे जारी रहनी चाहिए अथवा किसी एक निश्चित तारीख के बाद निजी क्षेत्र की शर्तों को कार्यान्वित किया जाएगा। अभी की स्थिति यही है, परंतु जहाँ तक आरईसी का प्रश्न है, मैं तो केवल अंदाजा ही लगा सकता हूँ, बेहतर होगा इसके लिए आप उनसे बात करें।

सुश्री दीप्ती चौहान:

इस प्रकार जहाँ तक मैं समझ सकी हूँ कि राज्य क्षेत्र के निकायों के मामले में 100 प्रतिशत की एक्सपोजर सीमा में संभवतः कुछ परिवर्तन होंगे। या तो उन्हें कम किया जाएगा अथवा आपको अधिक छूट प्रदान की जाएगी।

श्री सतनाम सिंह:

अभी तक एक्सपोजर सीमा का निर्धारण पीएफसी द्वारा मंत्रालय के परामर्श से किया जाता है। वर्ष 2012 तक इसे घटाने की हमारी कोई योजना नहीं है।

सुश्री दीप्ती चौहान:

ठीक है, अतः वर्ष 2012 के पश्चात यह उस रोड मैप पर निर्भर करेगा जो आरबीआई के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और तदनुसार प्रतिशत का निर्धारण भी तभी होगा।

श्री सतनाम सिंह:

ठीक है,

सुश्री दीप्ती चौहान:

बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमानजी।

संचालक:

धन्यवाद मैडम। अब मैं एक बार फिर माईक का प्रभार श्री सतनाम सिंह जी को देना चाहूंगा, वो आयें और अपना अंतिम वक्तव्य दें।

श्री सतनाम सिंह:

सभी निवेशकों इस सम्मेलन के आमंत्रण को स्वीकार करने और प्रतिभागिता के लिए धन्यवाद। मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि इस दौरान निवेशकों द्वारा कुछ तर्कपूर्ण प्रश्न उठाए गए और मेरा मानना है कि हमने उनकी जिज्ञासाओं का पर्याप्त समाधान किया है। यदि प्रश्नों के समाधान की प्रक्रिया में कोई अंतराल छूट गया हो तो मेरा आप सभी से अनुरोध है कि आप हमें ईमेल पर लिखें और मैं यह वचन देता हूँ कि उसका उचित जबाव दिया जाएगा। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राहुल जैन:

श्रीमान जी, एचडीएफसी सिक्योरिटीज की ओर से मैं वित्तीय परिणामों पर चर्चा के समय हमारे साथ विचार-विमर्श करने के लिए आपको और प्रबंधन को धन्यवाद देना चाहूंगा।

श्री सतनाम सिंह:

स्वागत है।

श्री राहुल जैन:

बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमान जी। सफलता के लिए आपको शुभकामनाएं।

श्री सतनाम सिंह:

धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद श्रीमानजी। इस प्रकार आज की चर्चा यहीं समाप्त होती है। रिलायंस कॉन्फ्रेंसिंग ब्रिज में सहभागिता के लिए धन्यवाद। अब आप अपने-अपने संपर्क डिस्कनेक्ट कर सकते हैं।